SHRI SURESH HARILAL SONI

Shri Suresh Harilal Soni is a Founder & Managing Trustee of Sahyog Kushtha Yagna Trust of Gujarat.

2. Born on 23rd November, 1944 in Shinor, Vadodara District, Gujarat, Shri Soni passed M.Sc., First class first with Distinction, with Mathematics, from the M. S. University of Baroda, in 1966. During his study, he went to Remand Home to meet children and tell them stories. He gave free tuition to children and helped child beggars on street. He started leprosy work voluntarily in 1970; learned through leprosy patients, giving medicines, injections, dressing ulcers, etc. He and his wife helped Leprosy beggars of two big slums of Baroda in various ways in personal capacity; approaching the Baroda Municipal Corporation helping financially from own pocket, encouraged the beggars to give up begging and to spin on Ambar Charkha and helped their children to study. He left lucrative & comfortable job of lectureship of the Baroda University & started living with leprosy afflicted persons. He is in the field of leprosy since 1970, i.e. for last 55 years.

3. Shri Soni received 31.75 acres of land with tubewells, some buildings, etc as an unconditional gift. He and his wife started Sahyog Kushtha Yagna Trust in 1988 with 20 Leprosy Afflicted Persons & their children. Today, the Trust has 1050 ashramites (Leprosy Afflicted Persons and relatives, Disabled persons and relatives, persons with social problems, persons with Schizophrenia, Children of Leprosy Afflicted and poor parents, Mentally Retarded Males, Mentally Retarded Females) living a new life with dignity, care, love, security & without worrying for tomorrow. Beneficiaries come from all over India. The Trust has 33 old - disabled cows. SAHYOG is a newly constructed village, with Govt. Primary school upto VIII Standard, Unique Temple to accommodate 500 people, Election Booth, Hospital with 45 beds, Physiotherapy Centre; Houses for Leprosy Afflicted Persons along with Latrine -Bathroos & Tulsikyaras, Trainnig Hall, Parking stands for nearby villagers etc. He gives full cooperation, (including financial if required) even to Govt. Leprosy control work in Dang, through Leprosy cured tribal local people in past. Thousands of Seminars-workshops were organized here for Leprosy, Hepatitis-B Programme, Reconstructive & Surgical Operations.

4. Shri Soni arranged several camps in co-ordination with other NGOs on Ophthalmic, AIDS, T.B., to learn to write gazals, trekking for Youth, Leadership, Environment, Cattle, National Seminar for Mentally Retarded, etc. The Trust has become a source of inspiration to students, teachers, youth, govt. officers, saints. He has given lectures to Govt. staff, written articles, published papers, talks on Radio & several T.V. channels not only on Leprosy but on other health topics, also for inspiration. He was a member in several committees at District & State level.

5. Shri Soni and Sahyog Kushtha Yagna Trust have received more than 100 Awards & Sanmans from Central & State Governments & NGOs such as International Gandhi Award, National Award for Best Institution for disabled by former President, Dr. A.P.J. Abdul Kalam and National Award for development of children etc.

श्री सुरेश हरीलाल सोनी

श्री सुरेश हरिलाल सोनी गुजरात के सहयोग कुष्ठ यज्ञ ट्रस्ट के संस्थापक एवं प्रबंध ट्रस्टी हैं।

2. 23 नवम्बर, 1944 को गुजरात के वडोदरा जिले के शिनोर में जन्मे, श्री सोनी ने वर्ष 1966 में बड़ौदा के एम.एस. विश्वविद्यालय से गणित में प्रथम श्रेणी में डिस्टिंकसन के साथ एम.एस.सी. की परीक्षा उत्तीर्ण की। अपनी पढ़ाई के दौरान वह बच्चों से मिलने और उन्हें कहानियाँ सुनाने के लिए रिमांड होम जाते थे। वह बच्चों को निःशुल्क ट्यूशन देते थे और सड़क पर भीख मांगने वाले बच्चों की मदद करते थे। उन्होंने वर्ष 1970 में स्वेच्छा से कुष्ठ रोग से निपटने का काम शुरू किया; कुष्ठ रोगियों से दवाइयाँ देना, इंजेक्शन देना, छालों पर पट्टी बाँधना आदि सीखा। उन्होंने और उनकी पत्नी ने व्यक्तिगत रूप से बड़ौदा की दो बड़ी झुग्गी बस्तियों में रहने वाले कुष्ठ रोगियों की कई तरह से मदद की; बड़ौदा नगर निगम से संपर्क करके अपनी जेब से आर्थिक मदद की, भिखारियों को भीख माँगना छोड़कर अंबर चरखा चलाने के लिए प्रोत्साहित किया और उनके बच्चों की पढ़ाई में मदद की। उन्होंने बड़ौदा विश्वविद्यालय में लेक्चरर की आकर्षक और आरामदायक नौकरी छोड़ दी और कुष्ठ रोगियों के साथ रहने लगे। वह वर्ष 1970 से यानी पिछले 55 वर्षों से कुष्ठ रोग के क्षेत्र में कार्यरत हैं।

3. श्री सोनी को बिना शर्त उपहार के रूप में 31.75 एकड़ जमीन, ट्यूबवेल, कुछ भवन आदि के साथ मिली। उन्होंने और उनकी पत्नी ने वर्ष 1988 में 20 कुष्ठ पीड़ितों और उनके बच्चों के साथ सहयोग कुष्ठ यज्ञ ट्रस्ट की शुरुआत की। आज, ट्रस्ट में 1050 आश्रमवासी हैं (कुष्ठ पीड़ित व्यक्ति और उनके रिश्तेदार, विकलांग व्यक्ति और उनके रिश्तेदार, सामाजिक समस्याओं वाले व्यक्ति, सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ति व्यक्ति, कुष्ठ पीड़ितों और गरीब माता–पिता के बच्चे, मानसिक रूप से अक्षम पुरुष और महिलाएं) जो सम्मान, देखभाल, प्यार, सुरक्षा और कल की चिंता किए बिना एक नया जीवन जी रहे हैं। लाभार्थी पूरे भारत से आते हैं। ट्रस्ट के पास 33 बूढ़ी विकलांग गायें हैं। सहयोग एक नवनिर्मित गाँव है, जिसमें आठवीं कक्षा तक का सरकारी प्राथमिक स्कूल, 500 लोगों की क्षमता वाला अनोखा मंदिर, चुनाव बूथ, 45 बिस्तरों वाला अस्पताल, फिजियोथेरेपी केंद्र; कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्तियों के लिए घर, शौचालय–स्नानघर और तुलसीक्यारा, प्रशिक्षण हॉल, आस–पास के ग्रामीणों के लिए पार्किंग स्टैंड आदि हैं। वह अतीत में कुष्ठ रोग से ठीक हुए आदिवासी स्थानीय लोगों के माध्यम से डांग में सरकारी कुष्ठ नियंत्रण कार्य में भी पूरा सहयोग देते हैं (यदि आवश्यक हो तो वित्तीय सहायता भी देते हैं)। कुष्ठ रोग, हेपेटाइटिस–बी कार्यक्रम, पुनर्निर्माण और सर्जिकल ऑपरेशन के लिए यहाँ हजारों संगोष्ठियाँ–कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

4. श्री सोनी ने नेत्र रोग, एड्स, टीबी, गजल लिखना सीखने, युवाओं के लिए ट्रैकिंग, नेतृत्व, पर्यावरण, मवेशी, मानसिक रूप से अक्षम लोगों के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी आदि पर अन्य गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर कई शिविर आयोजित किए। ट्रस्ट छात्रों, शिक्षकों, युवाओं, सरकारी अधिकारियों, संतों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों को व्याख्यान दिए हैं, लेख लिखे हैं, शोधपत्र प्रकाशित किए हैं, रेडियो और कई टीवी चैनलों पर न केवल कुष्ठ रोग पर बल्कि अन्य स्वास्थ्य विषयों पर भी प्रेरणा हेतु बातचीत की है। वह जिला और राज्य स्तर पर कई समितियों के सदस्य थे।

5. श्री सोनी और सहयोग कुष्ठ यज्ञ ट्रस्ट को केंद्र और राज्य सरकारों और गैर सरकारी संगठनों से अंतरराष्ट्रीय गांधी पुरस्कार, माननीय राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा विकलांगों के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, बच्चों के विकास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार आदि जैसे 100 से अधिक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं।